84 जन्मों की भक्ति वाले ही ज्ञान सुनेंगे
मूंझेंगे नही,इशारे से ज्ञान समझेंगे
देवता घराने वालो को ही ज्ञान जंचेगा
जितनी भक्ति उतना ज्ञान सुनेंगा
ड्रामा को यथार्थ रीति समझना
माया के बन्धनों से मुक्त होना
सच्चा-सच्चा पैगम्बर बनना
शान्तिधाम-सुखधाम का रास्ता बताना
सभी आत्माओं का कल्याण करना
ड्रामा को खेल समझो,जिम्मेवार है बाप

निमित्त बनने से बनेंगे योगयुक्त
जितना योगयुक्त उतना बंधन मुक्त
करन करावनहार बाप की स्मृति
भान -अभिमान समाप्त कर देगी

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!